उत्तराखण्ड तकनीकी विवि ने मनाया स्थापना दिवस

मंत्री सुबोध उनियाल ने किया एकैडमिक भवन का शिलान्यास

उत्तर उजाला ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखण्ड में तकनीकी शिक्षा के उन्नयन हेतु स्थापित वर्तमान वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) का शनिवार 27 जनवरी 2024 को 20वां स्थापना दिवस तथा द्वितीय पूर्व छात्र सम्मेलन बड़े धूमधाम से बनाया गया। विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत कर तकनीकी शिक्ष मंत्री सुबोध उनियाल ने विश्वविद्यालय परिसर में निर्मित होने वाले एकैडमिक भवन का शिलान्यास किया। इसके साथ हीं उन्होंने परिसर में निर्मित लॉन टेनिस कोर्ट, बासकेट बॉल कोर्ट और विश्वविद्यालय कैन्टीन भवन, ओपन जिम, स्टूडेंट लाउंज का लोकार्पण भी किया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ओंकार सिंह ने इस अवसर पर पधारे पूर्व छात्रों तथा अतिथियों का स्वागत करते हुए सभी को विगत एक वर्ष की प्रगति से अवगत कराया। साथ ही स्मार्ट इण्डिया हैकाथॉन-2023 की प्रतियोगिता में परिसर संस्थान नन्ही परी सीमान्त इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट पिथौरागढ़ की विजेता टीम के छात्रों तथा उनके मेंटर को सम्मानित किया।

तकनीकी शिक्षा मंत्री सुबोध उनियाल ने विश्वविद्यालय के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान अपने सम्बोधन में कहा कि वीर माधो सिंह भण्डारी उत्तराखण्ड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (यूटीयू) ने इन डेढ़-दो वर्षों में तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान किये जाने की जो धारणा बनायी है उससे विश्वविद्यालय ने अपनी अच्छी पहचान बनायी है जो कि अच्छे संकेत हैं। उन्होंने कहा कि आज दुनिया में जिस तेजी से तकनीकी बदलाव हो रहें उसके दृष्टिगत आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस, रोबोटिक्स व कम्प्यूटिंग जैसे विषयों पर विश्वविद्यालय को छात्र-छात्राओं के बीच अधिक से अधिक चर्चा करनी होगी ताकि टैक्नोलॉजी का उनके द्वारा सही दिशा में इस्तेमाल किया जा सके और यंग इण्डिया को सशक्त भारत बनाने में छात्र अपनी जिम्मेदारी को निभा सके। उन्होंने कहा कि छात्रों को उनकी जिम्मेदारी का एहसास कराने का कार्य एक टैक्नोकेट के माध्यम से ही सम्भव हो सकता है। तकनीकी शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री का सपना है कि वर्ष 2047 तक भारत को आर्थिक, सामाजिक, तकनीकी व वैज्ञानिक रूप से सशक्त बनाना हैं। तकनीकी शिक्षामंत्री ने कहा कि सभी डॉक्टर्स व इंजीनियर्स को बदलती तकनीकी के साथ अपने आप को भी अपडेट करते रहना होगा।

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा एल्यूमिनी मीट का आयोजन किया जाना भी सराहनीय प्रयास है। राज्य सरकार तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में सुधार के लिए प्रयासरत है और लगभग 500 करोड़ के बजट के प्रावधान से तकनीकी शिक्षा को विकसित करने को प्रयासरत है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय के कैम्पस संस्थानों का बहुत बड़ा महत्व है।उनमें गुणवत्तापरक शिक्षा के लिए अच्छा इंफास्ट्रक्चर विकसित किये जाने के प्रयास पर ध्यान दिया है। विश्वविद्यालय का एक और कैम्पस संस्थान शीघ्र ही नरेन्द्रनगर में स्थापित होने जा रहा है जिसका जल्द नोटिफिकेशन जारी हो जायेगा। उन्होंने विश्वविद्यालय के कैम्पस संस्थान निदेशकों को संन्देश देते हुए कहा कि वह छात्रहित की धारणा को रखते हुए अपनी जिम्मेदारी समझें। उन्होंने विश्वविद्यालय में सारे कार्यों का डिजिटलाइजेशन करने के कुलपति के प्रयासों की भी सराहना की। सहसपुर विधान सभा क्षेत्र के विधायक सहदेव पुण्डीर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय से अपेक्षा की कि वीर माधो सिंह भण्डारी जिनके नाम पर इस विश्वविद्यालय का नामकरण हो रखा है,उस विषय पर छात्रों के लिए परिचर्चा को एक सत्र होना चाहिए। कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि अपर मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश मोनिका गर्ग ने कहा कि आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस के बारे हमारे देश की आधी से भी ज्याद आबादी अनजान है। हमें सकारात्मक दिशा में प्रभावशाली शिक्षा तंत्र को विकसित करने को उचित प्रयास करने होंगे और भारत आर्टिफिसिएल इंटैलीजेंस के क्षेत्र में ग्लोबल पार्टनरशिप की भूमिका निभा रहा है।कार्यक्रम में विश्वविद्यालय का डिजिटल सोविनर- 2023 भी जारी किया गया है जिसमें विश्वविद्यालय की उपलब्धि व आगामी प्रस्तावित कार्यों का विवरण रखा गया है। कार्यक्रम में सात पूर्व छात्रों को उनके उत्कृष्ट कार्यों हेतु एल्युमिनी अवार्ड भी वितरित किये गये। विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान द्वितीय सत्र में आर्टिफिसिएल इंटेलीजेंस, क्वांटम मेटावर्स विषय पर सेमिनार भी आयोजित किया गया। जिसमें इन क्षेत्रों के एक्सपर्ट्स प्रो. संजीव कुमार, प्रो. अनिल आदि ने छात्रों से संवाद कर उन्हें सही दिशा में अपनायी जाने वाली नई-नई तकनीकी के बारे में जानकारी दी।

अंत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. सत्येन्द्र सिंह ने उपस्थिति सभी सम्मानित जनों का ध्यान ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक विक्रम सिंह जंतवाल, कुलसचिव, प्रो. सत्येन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक डा. वीके पटेल व परिसर संस्थान निदेशक प्रो.मनोज कुमार पाण्डा-महिला प्रौद्योगिकी संस्थान, डा. एसके प्रधान, निदेशक टीएचडीसी आईएचईटी टिहरी, डा.अमित अग्रवाल निदेशक-आईटी गोपेश्वर, डा. एचएल मंदौरिया निदेशक आईटी टनकपुर सहित विभिन्न संस्थानों के निदेशक, शिक्षक व विश्वविद्यालय के अधिकारी, शिक्षक तथा कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थिति रहे।